भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3857

सोमवार, 16 मार्च, 2026/25 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मैहर और चित्रकूट धाम का विकास

3857. श्री गणेश सिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश के सतना जिले में मैहर देवी मंदिर और चित्रकूट धाम को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित करने के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 के सतत और गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण के अंतर्गत सरकार द्वारा स्वीकृत अथवा प्रस्तावित योजनाओं/स्कीमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या मैहर-चित्रकूट क्षेत्र को संपर्क, सुविधाओं, आगंतुकों के अनुभव और स्थानीय रोजगार को सुदृढ़ करने के लिए चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना को आध्यात्मिक पर्यटन श्रेणी में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है;

(ग) क्या तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत सतना लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत मैहर और चित्रकूट धाम में अवसंरचना, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और श्रद्धालु सुविधाओं के लिए कोई नई परियोजनाएं प्रस्तावित की जा रही हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत एक पहल और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को, योजना दिशानिर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर तथा निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन देश में पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई)-वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' योजना के तहत वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश राज्य में 99.92 करोड़ रुपये की 'ओरछा: एक मध्यकालीन वैभव' और 99.38 करोड़ रुपये की 'भोपाल में एमआईसीई के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र' नामक परियोजना को मंजूरी दी।

यद्यपि, वर्तमान में प्रशाद योजना के तहत मैहर और चित्रकूट में किसी भी पर्यटन परियोजना को मंजूरी देने पर विचार नहीं किया गया है, परंतु मंत्रालय ने अपनी एसडी 2.0 योजना के तहत मध्य प्रदेश के चित्रकूट में पहले ही एक परियोजना को मंजूरी दे दी है।

चित्रकूट सहित मध्य प्रदेश राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद नामक योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

श्री गणेश सिंह द्वारा मैहर और चित्रकूट धाम के विकास के संबंध में दिनांक 16.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3857 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

मध्य प्रदेश राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	**योजना**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	एसडी 1.0	पन्ना - मुकुंदपुर - संजय - डुबरी - बांधवगढ़ - कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	2015-16	92.10
2.		साँची - सतना - रीवा - मंदसौर - धार का विकास	2016-17	74.02
3.		ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	2016-17	89.82
4.		गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध - तवा बांध- बरगी बांध - भेड़ा घाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	2017-18	93.76
5.	एसडी 2.0	चित्रकूट में आध्यात्मिक अनुभव	2023-24	27.22
6.		फूलबाग एक्सपीरियंस जोन, ग्वालियर	2023-24	16.74
7.		दतिया में पीतांबरा पीठ का विकास	2025-26	44.24
8.	सीबीडीडी	ओरछा एक मध्यकालीन वैभव 2.0	2024-25	25.00
9.		मांडू-एक मध्यकालीन आश्चर्य	2025-26	24.88
10.	प्रशाद	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99
11.		ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93

*****